

अंग्रेजी में बोलने में सहायता देना: जोड़ी और समूहकार्य ।



भारत में विद्यालय आधारित
समर्थन के माध्यम से शिक्षक
शिक्षा
www.TESS-India.edu.in



<http://creativecommons.org/licenses/>



TESS-India (स्कूल-आधारित समर्थन के जरिए अध्यापकों की शिक्षा) का उद्देश्य है छात्र-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों के विकास में शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शिक्षा संसाधनों (OER) के प्रावधानों के माध्यम से भारत में प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षकों की कक्षा परिपाटियों में सुधार लाना। **TESS-India OER** शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने विद्यार्थियों के साथ प्रयोग करने के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले वृत्त-अध्ययन भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए अपनी पाठ योजनाएँ तैयार करने के लिए तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OER को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (<http://www.tess-india.edu.in>)। OER भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को इन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय जरूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन करने के लिए और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ निम्नलिखित आइकॉन दिया गया है:  यह दर्शाता है कि आपको विशिष्ट शैक्षणिक थीम के लिए **TESS-India** के वीडियो संसाधनों को देखने में इससे मदद मिलेगी।

TESS-India के वीडियो संसाधन भारत में विभिन्न प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में प्रमुख शैक्षणिक तकनीकों का सचित्र वर्णन करते हैं। हमें उम्मीद है कि वे आपको इसी तरह के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। इन्हें पाठ-आधारित इकाइयों के माध्यम से आपके कार्य अनुभव में इज़ाफ़ा करने और बढ़ाने के लिए रखा गया है, लेकिन अगर आप उन तक पहुँच बनाने में असमर्थ रहते हैं तो बता दें कि वे उनके साथ एकीकृत नहीं हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को **TESS-India** की वेबसाइट (<http://www.tess-india.edu.in>) पर ऑनलाइन देखा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। विकल्प के तौर पर, आप इन वीडियो तक सीडी या मेमोरी कार्ड द्वारा भी पहुँच बना सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE09v1
Uttar Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: <http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है



मैं जानती हूँ कि मेरे विद्यार्थियों का अंग्रेजी बोलने में सक्षम होना कितना महत्वपूर्ण है। इससे उन्हें उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने, अन्य देशों के लोगों के साथ वार्तालाप करने और भारत या अन्य किसी जगह पर बेहतर नौकरी पाने में मदद मिल सकती है। मेरे अधिकतर विद्यार्थी सरल प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी में दे सकते हैं, लेकिन वे वार्तालाप नहीं कर सकते। जीवन में वार्तालाप और भविष्य में काम के लिए आवश्यक बोलने के कौशलों को विकसित करने में मैं उनकी मदद कैसे

यह इकाई कक्षा की उन गतिविधियों के बारे में है जो स्वतंत्र रूप से अंग्रेजी में बोलने में आपके विद्यार्थियों की मदद करेगी। अंग्रेजी में बोलने में सक्षम होना वह कौशल है जो आपके विद्यार्थियों के लिए स्कूल के बाहर और उसके बाद के जीवन में लाभदायक होगा। इसे प्राप्त करने के लिए, आपके विद्यार्थियों को स्वयं अपने प्रयोजनों जैसे अंग्रेजी में अपने आप को व्यक्त करना सीखना होगा। किसी मुद्दे पर चर्चा करने, वार्तालाप करने या कोई जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्हें बोलने की विविध प्रकार की गतिविधियों में भाग लेना होगा, जिनमें वे गतिविधियाँ शामिल हैं जो उन्हें वास्तविक जीवन के लिए आवश्यक कौशलों को विकसित करने का अवसर देती हैं। उन्हें अपने स्वयं के शब्दों का उपयोग करके बोलने के अवसर की भी जरूरत होती है। यदि शब्द और वाक्यांश उनके लिए सदैव उपलब्ध कराए जाते हैं, या वे याद किए हुए शब्द और वाक्यांश दोहराते हैं, तो जब उनके स्वयं बोलने का अवसर आएगा तब उन्हें इसमें कठिनाई होगी।

यह इकाई आपको अपनी कक्षा में ऐसी विविध गतिविधियाँ करने के तरीकों के बारे में कुछ विचार देती है जो वास्तविक जीवन में भाग लेने के लिए आवश्यक कौशलों का विकास करने में विद्यार्थियों की सहायता करती हैं। यह दिखलाती है कि आप जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करके विद्यार्थियों को यथा संभव अधिक अंग्रेजी में बोलने के अवसर कैसे प्रदान कर सकते हैं। जोड़ी और समूहकार्य ऐसी स्थितियों का निर्माण करने में आपकी मदद करते हैं जहाँ विद्यार्थियों को एक दूसरे के साथ वार्तालाप करने के लिए अंग्रेजी का उपयोग करना पड़ता है। भाषा के अभ्यास के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने का काम चुनौतीपूर्ण है, इसलिए यह इकाई इस बात की खोज करती है कि अन्य शिक्षक इस प्रकार की बोलने की गतिविधियों को कैसे आयोजित और प्रबंधित करते हैं।

जब विद्यार्थी पहली बार जोड़ियों और समूहों में अंग्रेजी बोलना शुरू करते हैं, तब उन्हें बहुत सहायता/सहयोग की जरूरत होती है। इसकी शुरुआत उन्हें बोलने के लिए पाठ्य-वस्तु देकर, जैसे पाठ्यपुस्तक से सस्वर में पढ़ना, वाक्यांशों और वाक्यों को दोहराना (देखें इकाई अपनी कक्षा में अंग्रेजी का अधिक उपयोग करना), या किसी सहपाठी को कोई गद्यांश बोलकर लिखवाना (नीचे चर्चित), से की जा सकती है। जब वे आश्वस्त होने लगें, तब आप उनको दी जाने वाली सहायता को कम कर सकते हैं और भूमिका अभिनय, साक्षात्कार या चर्चा (नीचे चर्चित) जैसी बोलने की गतिविधियों के माध्यम से अपने शब्दों और विचारों का उपयोग करते हुए बातचीत करने के अधिक अवसर दे सकते हैं (देखें इकाई अपने विद्यार्थियों में अंग्रेजी बोलने के आत्मविश्वास का निर्माण करना)।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- बोलने की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने के तरीके।
- अंग्रेजी में उद्देश्यपूर्ण बातचीत करने के अवसर पैदा करना।
- बड़ी कक्षा के साथ बोलने की गतिविधियों का आयोजन और प्रबंधन करना।

1 जोड़ी और समूहकार्य में बोलने की गतिविधियाँ

विद्यार्थियों को स्कूल से हटकर अपने जीवन में सभी तरह की स्थितियों में अंग्रेजी में बोलने की जरूरत पड़ सकती है। धारा प्रवाह बोलने और आश्वस्त होने के लिए, उन्हें अभ्यास करना चाहिए। कई विद्यार्थियों के पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं होते हैं; एकमात्र जगह जहाँ वे अंग्रेजी बोलने का अभ्यास कर सकते हैं वह है उनकी कक्षाएं। इसका मतलब यह है कि आपको वास्तविक प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी में बोलने के अवसर पैदा करने चाहिए, ताकि विद्यार्थी आपके साथ और एक दूसरे के साथ वार्तालाप करने के लिए अंग्रेजी भाषा का उपयोग करें।

आप सोच रहे होंगे कि सभी विद्यार्थियों को कक्षा में बोलने का अवसर देना कठिन है, खास तौर पर यदि आपके पास विद्यार्थी बड़ी संख्या में हों। आपके सभी विद्यार्थियों को बोलने का अवसर देने का एक तरीका है उन्हें एक दूसरे के साथ बात करने के लिए जोड़ियों या समूहों (उदाहरण के लिए, तीन या चार विद्यार्थियों के) में संगठित करना (चित्र 1)।



चित्र 1 अंग्रेजी बोलने का अभ्यास करने के लिए जोड़ी और समूहों में काम कर रहे विद्यार्थी।
नोट करें कि एक साथ काम करने से, सभी विद्यार्थियों को बोलने का अवसर मिलता है।

सीखने के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने के कई लाभ हैं:

- वे विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने का अवसर देते हैं
- विभिन्न स्तरों के विद्यार्थी एक दूसरे की मदद और समर्थन कर सकते हैं
- वे अंग्रेजी में बोलने का अभ्यास करने के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकते हैं।

जोड़ी और समूहकार्य विद्यार्थियों को अपनी बोलचाल को आजमाने के लिए अधिक सुरक्षित वातावरण पेश करते हैं क्योंकि उन्हें सुनने वाले लोग कम होते हैं लेकिन सभी विद्यार्थियों को बोलने और सुनने के अवसर मिलते हैं। इससे विद्यार्थी अंग्रेजी में बोलने का आत्मविश्वास विकसित करने में समर्थ होते हैं। आप चाहें तो मुख्य संसाधनों, ('जोड़ी में कार्य का उपयोग करना और समूहकार्य का उपयोग करना') पर एक नज़र डाल सकते हैं।



वीडियो: जोड़ी में किये गये कार्य का उपयोग करना



वीडियो: समूहकार्य का उपयोग करना

अंग्रेजी में वार्तालाप करने के एक चरण— जोड़ी में लिखवाना (श्रुतलेख)

जोड़ी में लिखवाना आपके विद्यार्थियों को अंग्रेजी में एक दूसरे से बोलने और सुनने का आदी बनाने का एक सरल तरीका है। यह गतिविधि विशुद्ध वार्तालाप गतिविधि नहीं है, क्योंकि विद्यार्थी खुद अपने बलबूते पर सार्थक वाक्यों का निर्माण नहीं करते हैं। फिर भी, जो विद्यार्थी बोल रहे होते हैं उन्हें उच्चारण में उपयोगी अभ्यास मिलता है और जो विद्यार्थी सुनते और लिखते हैं उन्हें भी स्पेलिंग और विराम चिह्न लगाने का अभ्यास मिलता है। ये कौशल उनके आत्मविश्वास और वास्तविक जीवन में अंग्रेजी में बातचीत करने की क्षमता को विकसित करते हैं।

केस स्टडी 1: सुश्री दत्ता अपने छात्रों को अंग्रेजी बोलने का अभ्यास कराने के लिए जोड़ी में लिखवाने (श्रुतलेख) का उपयोग करती हैं

सुश्री दत्ता ने हाल ही में विद्यार्थियों को कक्षा में अंग्रेजी बोलने का अवसर देने की महत्ता के बारे में एक प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया। सत्र में, उन्होंने जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने के बारे में सीखा।

मैं कक्षा 9 को पढ़ाती हूँ, और हम NCERT textbook *Beehive* के अध्याय 8 का अध्ययन कर रहे हैं। पिछली कक्षा में हम पृष्ठ 108 पर पहुँचे, जिसमें निम्नलिखित श्रुतलेख गतिविधि है:

'The Raincoat'

After four years of drought in a small town in the north-east, the vicar gathered everyone together for a pilgrimage to the mountain, where they would pray together and ask for the rain to return.

The priest noticed a boy in the group wearing a raincoat.

'Have you gone mad?' he asked. 'It hasn't rained in this region for five years, the heat will kill you climbing the mountain.'

'I have a cold, father. If we are going to ask God for rain, can you imagine the way back from the mountain? It's going to be such a downpour that I need to be prepared.'

At that moment a great crash was heard in the sky and the first drops began to fall. A boy's faith was enough to bring about a miracle that not even those most prepared truly believed in.

सामान्यतया, मैं पाठ्यपुस्तक के श्रुतलेख जोर से पढ़ती हूँ, और विद्यार्थी सुनते तथा लिखते हैं। तथापि, प्रशिक्षण सत्र में मैंने सीखा कि शिक्षक को हमेशा ही वह व्यक्ति होना जरूरी नहीं है जो कक्षा में बोलता है। मैंने जाना कि मेरे विद्यार्थी भी श्रुतलेख दे सकते हैं। मैंने सोचा कि वे यह काम जोड़ियों में कर सकते हैं। एक विद्यार्थी पाठ को पढ़कर सुनाएगा, और दूसरा उसे सुनेगा तथा लिखेगा।

मैंने अपने विद्यार्थियों से उनके बगल में बैठे व्यक्ति के साथ जोड़ी बनाने को कहा। कुछ बेंचों के अंत में कुछ विद्यार्थी बच गए, जिन्होंने जोड़ी की बजाय तीन के समूह बना लिए। तब मैंने अपने विद्यार्थियों से अपने साथी/साथियों को गद्यांश पढ़कर लिखवाना शुरू करने को कहा। मैं कक्षा में घूमने लगी, और देखा कि अधिकतर विद्यार्थियों को कठिनाई हो रही है। वे नहीं जानते थे कि उन्हें क्या करना है, और वे केवल गद्यांश को पढ़ रहे थे। मुझे समझ में आया कि मेरे निर्देश स्पष्ट नहीं थे। मैंने हर एक से रुकने को कहा, और दोबारा प्रयास करने का निश्चय किया।

इस बार, मैंने समूहों से कहा, **Decide who is Student A and who is Student B**'। (तीन के समूहों में दो विद्यार्थियों के नाम एक ही वर्ण से शुरू हो रहे थे) मैंने उन्हें तय करने के लिए एक मिनट दिया। फिर मैंने कहा **Student As, raise your hands. Student Bs, raise your hands**। इस तरह मैंने जाना कि हर एक को पता था कि कौन **Student A** था और कौन **Student B**। फिर, मैंने कक्षा को गतिविधि के लिए निर्देश दिए और उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखा।

Student A: Close your textbook. Write down what your partner reads. Do not look at the textbook!

Student B: Read out the first two sentences of 'The Raincoat' on p. 108. Read slowly and repeat each line twice.

When you have finished, exchange roles. Student A reads out two sentences and Student B writes them down.

मैंने सुनिश्चित किया कि हर एक ने निर्देशों को समझ लिया है जिसके लिए मैंने उनसे घरेलू भाषा में बताने को कहा कि उन्हें क्या करना है। मैंने अपने विद्यार्थियों से कहा, 'You have ten minutes for the pair dictation' जब विद्यार्थी ने अपने साथियों को गद्यांश को बोलकर लिखवाना शुरू किया [चित्र2]। जब वे गतिविधि कर रहे थे, तब मैंने कक्षा में घूमते हुए, जोड़ियों को सुना और जाँच की कि हर कोई गतिविधि को सही ढंग से कर रहा है। उनमें से कुछ अब भी आश्वस्त नहीं थे, इसलिए मैंने उन्हें फिर से समझाया। उनमें से अधिकांश गतिविधि का आनंद ले रहे थे और सब सुचारु रूप से चल रहा था। अपने कई विद्यार्थियों को अंग्रेजी में बोलते सुनकर अच्छा लग रहा था।



चित्र 2 एक विद्यार्थी The Raincoat पढ़ता है जबकि दूसरा वह लिखता हो जो उसका साथी पढ़ता है।

जब मैं सुन रही थी, तब मैंने देखा कि कुछ विद्यार्थी उच्चारण में गलतियाँ कर रहे हैं। मैंने उन्हें नहीं टोका। मैंने सबसे आम उच्चारण की गलतियों को नोट किया और निश्चय किया कि मैं गतिविधि के बाद सारी कक्षा के साथ इन गलतियों को सुधार सकती हूँ। मैंने सोचा कि मेरे नोट्स आकलन के लिए उपयोगी हो सकते हैं (देखें इकाई 'निर्माणात्मक आकलन के माध्यम से भाषा सीखने में सहयोग करना')।

नौ मिनट बीतने पर, मैंने विद्यार्थियों से कहा, 'You have one more minute' दस मिनट बीतने पर, कुछ विद्यार्थियों ने पढ़ना समाप्त नहीं किया था, लेकिन मैं जानती थी कि हर एक को कुछ वाक्यों को पढ़कर लिखवाने का अवसर मिल गया था। मेरे लिए सभी के काम की जाँच करना संभव नहीं था, इसलिए मैंने उनसे पाठ्यपुस्तक के गद्यांश के साथ उसकी तुलना करके स्वयं जाँचने और सही करने को कहा। इससे उन्हें यह देखने में सहायता मिली कि उन्हें स्पेलिंग या विराम चिह्नों के साथ कहाँ कठिनाइयाँ हुई थीं।

कुल मिलाकर गतिविधि अच्छे ढंग से हुई, हालांकि मुझे महसूस हुआ कि मुझे इस तरह की गतिविधियों के लिए अधिक स्पष्ट निर्देश देने चाहिए। मैं अपनी कक्षाओं में जोड़ी में कार्य का अधिक उपयोग करने वाली हूँ। मेरा खयाल है कि मैं इसका जितना अधिक उपयोग करूँगी, विद्यार्थी उतना ही अधिक इसके अभ्यस्त होंगे।

गतिविधि 1: जोड़ी में श्रुतलेख का उपयोग करना

आप इस गतिविधि का उपयोग किसी भी छोटे गद्यांश और किसी भी कक्षा के साथ कर सकते हैं। अपने विद्यार्थियों के साथ जोड़ी में श्रुतलेख अभ्यास का प्रयोग करने के लिए इन चरणों का पालन करें:

1. कक्षा से पहले, एक छोटा गद्यांश (जैसे कोई अनुच्छेद) खोजें जिसका उपयोग आपके विद्यार्थी श्रुतलेख के लिए कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि पाठ शब्दावली और विराम चिह्नों के हिसाब से अधिक जटिल न हो।
2. अपने विद्यार्थियों को जोड़ियों में संगठित करें (उदाहरण के लिए, उनके बगल के विद्यार्थी के साथ)। देखें कि हर कोई जोड़ी में है। कोई भी बचा हुआ विद्यार्थी किसी जोड़ी में शामिल होकर तीन का समूह बना सकता है।
3. विद्यार्थियों को जोड़ी में श्रुतलेख के लिए, यदि हो सके तो अंग्रेजी का उपयोग करते हुए, निर्देश दें। आप निर्देशों को ब्लैकबोर्ड पर लिख सकते हैं। जाँच करें कि उन्होंने निर्देश समझ लिए हैं (उदाहरण के लिए, विद्यार्थियों से अपनी घर की भाषा में बताने को कहकर कि उन्हें क्या करना है)।
4. सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी किसी बिंदु पर भूमिकाओं की अदला-बदली करेंगे, ताकि जो बोल रहा था वह लिखे और जो लिख रहा था वह बोले।
5. गतिविधि के लिए समय सीमा दें, जैसे दस मिनट।

6. विद्यार्थियों के काम करते समय कमरे में घूमें। जाँच करें कि उन्होंने समझ लिया है कि उन्हें क्या करना है और जहाँ आवश्यक हो वहाँ मदद करें या नोट्स बनाएं (उदाहरण के लिए, आम उच्चारण या स्पेलिंग की समस्याओं के)। जाँच करें कि सभी विद्यार्थी गतिविधि में भाग ले रहे हैं।
7. जब समय समाप्त हो जाय, तब विद्यार्थियों से काम करना बंद करने को कहें।
8. विद्यार्थियों से अपने काम की तुलना पाठ्यपुस्तक के साथ करने को कहें।
9. आप नजर आने वाली किसी भी सामान्य गलती (उदाहरण के लिए, उच्चारण, स्पेलिंग या विराम चिह्न की) पर फीडबैक दें।



विचार के लिए रुकें

यहाँ इस गतिविधि का प्रयोग करने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या आपके विद्यार्थियों ने समझा कि उन्हें क्या करना था? यदि नहीं, तो आप भविष्य में अपने निर्देशों को अधिक स्पष्ट कैसे बना सकते हैं?
- क्या आपके सभी विद्यार्थी बोले? यदि नहीं, तो क्यों नहीं? भविष्य में 'जोड़ी में कार्य' गतिविधियों में अपने अधिक विद्यार्थियों को बोलने के लिए प्रेरित करने के लिए आप कैसे मदद कर सकते हैं?

इससे पहले कि वे जोड़ियों या समूहों में काम करें, विद्यार्थियों को समझना होगा कि उन्हें क्या करना है। ब्लैकबोर्ड पर निर्देश लिखना एक अच्छा तरीका है ताकि विद्यार्थी काम करते समय उनका संदर्भ ले सकें। आप गतिविधि को पहले सारी कक्षा के सामने प्रदर्शित भी कर सकते हैं, जिसके लिए आप दो विद्यार्थियों से सारी कक्षा के सामने गतिविधि का अभ्यास करवा सकते हैं।

यदि आपके सारे विद्यार्थियों ने नहीं बोला है, तो कठिनाइयों का पता लगाने का प्रयास करें। क्या आपके विद्यार्थी गलतियाँ करने से डरते हैं? क्या वे जोड़ियों में काम करने में असहज महसूस करते हैं? विद्यार्थियों को शुरू में जोड़ी और समूहकार्य कठिन लग सकता है। यदि आप उन्हें इससे होने वाले लाभों के बारे में बताते हैं और यह भी बताते हैं कि वह अभ्यास के साथ आसान हो जाएगा तो उससे मदद मिल सकती है। जितनी बार आपसे हो सके उतनी बार जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करें और विद्यार्थी जल्दी ही उसके अभ्यस्त हो जाएंगे। सभी विद्यार्थियों को सम्मिलित करने पर अधिक जानकारी के लिए देखें संसाधन

1: सबको शामिल करना।

2 वास्तविक जीवन में अंग्रेजी में बातचीत के लिए अवसर तैयार करना

विद्यार्थियों को अंग्रेजी कक्षाओं में अंग्रेजी बोलने के जितने हो सके उतने अवसर देना महत्वपूर्ण होता है। लेकिन बोलचाल की कई गतिविधियों में, विद्यार्थी ऐसे कुछ वाक्यांशों को ऊँची आवाज़ में पढ़ते या बोलते हैं जो उन्होंने सीखे हैं। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों को स्वयं अपने विचार बोलने या अपने विचारों को साझा करने

के लिए वाक्यों की रचना करने की भी जरूरत नहीं होती है।

जब हम वास्तविक जीवन में बोलते हैं, तब हम आम तौर पर वह जानकारी या विचार साझा करते हैं जो सुनने वाले के लिए नए होते हैं। उदाहरण के लिए, हो सकता है आप अपने मुख्याध्यापक को किसी विद्यार्थी के बारे में कोई जानकारी देते हैं, या आप अपने मित्रों को, काम से घर जाते समय, अपने साथ घटी किसी घटना के बारे में बता सकते हैं।

बोलचाल की अच्छी गतिविधियाँ वास्तविक जीवन की स्थितियों पर आधारित होती हैं जिनमें जानकारी का आदान-प्रदान किया जाता है। ऐसी गतिविधियों में, विद्यार्थियों को जो कुछ वे कहना चाहते हैं उस बातचीत के लिए भाषा का उपयोग करना होता है।

वार्तालाप कौशलों को विकसित करने वाली बोलने की गतिविधियों के उदाहरण हैं, रोल-प्ले साक्षात्कार और चर्चाएं – रोल-प्ले गतिविधि के उदाहरण के लिए देखें संसाधन 2। आगे आने वाली गतिविधियों और केस स्टडी में आप साक्षात्कारों और चर्चाओं पर नज़र डालेंगे।

जोड़ी या समूहकार्य जिसमें विद्यार्थी एक दूसरे के साथ साक्षात्कार का संचालन करते हैं, बातचीत के लिए अंग्रेजी का उपयोग करने का अच्छा तरीका हो सकता है। एक विद्यार्थी दिखावा कर सकता है कि वह एक पत्रकार है, जबकि दूसरा साक्षात्कार देने वाला हो सकता है (वे मशहूर फिल्मी सितारे, खेल नायक, संगीतज्ञ, स्थानीय व्यक्ति, आदि हो सकते हैं)। जब विद्यार्थी भूमिकाएं निभाते हैं, तब वे एक गतिविधि में भाग ले रहे होते हैं जो एक वास्तविक जीवन की स्थिति पर आधारित है जिसमें एक व्यक्ति प्रश्न पूछता है और दूसरा जानकारी के लिए जवाब देता है।

केस स्टडी 2: श्री कुमार छोटे समूहों में साक्षात्कार करने में अपने छात्रों की मदद करते हैं

श्री कुमार एक सरकारी माध्यमिक स्कूल में कक्षा 9 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं।

में कक्षा 9 को पढ़ाता हूँ, और हमने हाल ही में Santosh Yadav के बारे में एक गद्यांश पढ़ा। वे एक महिला हैं, जो सभी कठिनाइयों के विरुद्ध संघर्ष

करके Mount Everest पर चढ़ीं। [देखें NCERT Class X textbook *Beehive*, Chapter 8 – 'Reach to the Top']। वे एक साहसी, दृढ़ निश्चयी युवती हैं, और मैंने सोचा साक्षात्कार गतिविधि के लिए उनके चरित्र का उपयोग दिलचस्प रहेगा।

गद्यांश के बारे में विद्यार्थियों को याद दिलाने के बाद, मैंने उन्हें यह कल्पना करने को कहा कि वे पत्रकार हैं, और वे पर्वतारोही, Santosh Yadav का साक्षात्कार लेने जा रहे हैं। मैंने संपूर्ण कक्षा से ऐसे कुछ प्रश्न सोचने को कहा जो वे पूछना चाहेंगे और कुछ विद्यार्थियों ने विचार प्रस्तुत किए। मैंने उन्हें बोर्ड पर लिखा:

How did you feel when you stood on the top of the mountain?

Why didn't you want to get married?

What did you eat on the mountain?

फिर मैंने कक्षा को जोड़ियों में संगठित किया (विद्यार्थियों के अपने बगल के विद्यार्थी के साथ काम करते हुए) और उनसे Santosh के लिए जितने अधिक हो सकें उतने प्रश्न लिखने को कहा। मैंने उन्हें कल्पनाशील होने के लिए प्रोत्साहित किया। मैंने उन्हें प्रश्न लिखने के लिए एक समय सीमा दी – लगभग आठ मिनट। जब उन्होंने प्रश्न लिखना शुरू किया, तो मैंने घूमते हुए जिन्हें जरूरत थी उनकी मदद की, कुछ गलतियाँ सुधारीं, और यह कहते हुए कुछ अधिक नवीन प्रश्न सुझाए:

Do you want to ask Santosh about things you already know about her or do you want to find out things that you don't know?

मैंने शीघ्रता से सुनिश्चित किया कि हर जोड़ी ने कुछ प्रश्न लिखे हैं, और फिर उन्हें लिखना रोकने को कहा। मैंने अपनी कक्षा को बताया कि वे साक्षात्कार करने जा रहे हैं, और मैंने हर दूसरी कतार से अपनी बेंचों पर पीछे घूम जाने के कहा ताकि विद्यार्थी एक दूसरे के सम्मुख रहें फिर कुछ और निर्देश दिए।

Now each pair is facing another pair. One pair plays the role of the journalist and the other plays the role of Santosh.

Who is the journalist? Please raise your hands.

Who is Santosh? Please raise your hands.

Please listen to me, journalists. Ask your questions to Santosh.

To the students who are Santosh: use your imaginations to answer the questions.

When you have finished the interview, please change roles. The second pair will ask their questions.

Journalists! Please make sure that you take notes of the answers. You'll need these after the interviews.

विद्यार्थियों ने साक्षात्कार शुरू किए [चित्र 3]। मैं एक समूह को सुनने के लिए कमरे के पिछले भाग में गया। जब मैं सुन रहा था, तब मैंने देखा कि एक लड़की भाग नहीं ले रही थी – उसका सहपाठी सभी प्रश्नों के उत्तर दे रहा था। मैंने उनसे कहा कि उन्हें बारी-बारी से प्रश्नों के उत्तर देने चाहिए, और कि जब वह कहीं अटके तो उसका सहपाठी शब्द बोलकर उसकी मदद कर सकता है।



चित्र 3 छोटे समूहों में साक्षात्कार।

फिर मैंने कमरे के मध्य में एक समूह को सुना। मैंने देखा कि प्रश्नों का उत्तर देने के लिए वे अपनी घरेलू भाषा का उपयोग कर रहे थे। मैंने उनसे पूछा वे ऐसा क्यों कर रहे हैं, और उन्होंने कहा कि वे कोई एक शब्द नहीं जानते हैं जिसका उपयोग वे अंग्रेजी में करना चाहते हैं। मैंने उन्हें उस शब्द का अनुवाद दिया, और उनसे कहा कि जितनी हो सके उतनी अधिक अंग्रेजी का उपयोग करें— चाहे उन्हें किसी एक शब्द का अर्थ पता न भी हो। मैंने उनसे ऐसे शब्दों को भी नोट करने को कहा जो वे नहीं जानते हैं, ताकि वे मुझसे बाद में पूछ सकें या शब्दकोश में खोज सकें।

तभी मैंने महसूस किया कि कमरे में काफी शोर हो रहा है। मैंने देखा कुछ समूह अन्य समूहों की अपेक्षा अधिक शोर कर रहे हैं, इसलिए मैं उनके पास गया और उनसे अधिक शांत होकर बोलने को कहा। कभी-कभी शांति स्थापित करने के लिए समूह का ध्यान खींचना और इशारे का उपयोग करना ही पर्याप्त होता है।

मैंने देखा कि कई विद्यार्थी गलतियाँ कर रहे हैं। मैं जानता था कि यदि मैंने टोका, तो मैं उन्हें बोलने से निरुत्साहित कर दूँगा – और इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य है विद्यार्थियों को अंग्रेजी में बोलने के लिए प्रेरित करना। इसकी बजाय, मैंने कुछ आम गलतियाँ नोट कीं और तय किया कि मैं इन समस्याओं की समीक्षा किसी अन्य कक्षा में करूँगा।

दस मिनट बाद मैंने देखा कई समूह साक्षात्कार समाप्त कर रहे हैं, इसलिए मैंने गतिविधि को खत्म करने का फैसला किया। मैंने दस से शून्य तक की उल्टी गिनती शुरू की। जब तक मैं शून्य पर पहुँची, समूह शांत हो चुके थे, और उन्होंने बात करना बंद कर दिया था। मैंने विद्यार्थियों से Santosh के बारे में एक रिपोर्ट लिखने के लिए अपने साक्षात्कारों के नोट्स का उपयोग करने को कहा।

गतिविधि 2: कक्षा में साक्षात्कार गतिविधि आजमाएं

इन चरणों का अनुसरण करें और अपनी कक्षा में साक्षात्कारों का उपयोग करने का प्रयास वैसे ही करें जैसे केस स्टडी 2 में श्री कुमार ने किया। इससे आपके विद्यार्थियों को अंग्रेजी में बातचीत करने का अभ्यास करने का अवसर मिलेगा:

1. एक व्यक्ति का चयन करें जिसका साक्षात्कार किया जाना है। यह कोई भी हो सकता है, पाठ्यपुस्तक के गद्यांश से कोई व्यक्ति (केस स्टडी 2 की तरह), कोई काल्पनिक चरित्र, या विद्यार्थियों द्वारा सुझाया गया कोई प्रसिद्ध व्यक्ति; उदाहरण के लिए, कोई फिल्मी सितारा, कोई खेल नायक, कोई स्थानीय मशहूर व्यक्ति इत्यादि। यदि साक्षात्कार किया जाने वाले व्यक्ति में विद्यार्थियों की रुचि है, तो उनके प्रेरित होने की अधिक संभावना है।

2. विद्यार्थियों से ऐसे कुछ प्रश्न देने को कहें जो वे पूछना चाह सकते हैं, और उनमें से तीन से पाँच तक सुझाव ब्लैकबोर्ड पर लिखें। उन्हें ऐसे प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें जिनके उत्तर वे नहीं जानते हैं और सृजनात्मकता और कल्पना का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। उदाहरणों में शामिल हैं:
 - आपके कितने भाई और बहन हैं?
 - बड़े होकर आप क्या बनना चाहते थे?
 - जब आपने यह काम कर लिया [उन्होंने जो कुछ भी किया] तो आपको कैसा लगा?
3. विद्यार्थियों से यह कल्पना करने को कहें कि वे पत्रकार हैं और प्रश्नों को लिखने के लिए कहें। उन्हें एक (जैसे, दस मिनट की) समय सीमा दें।
4. जब विद्यार्थी लिख रहे हों तब कक्षा में घूमें और काम की जाँच करें, उसे सुधारें तथा रोचक प्रश्नों में मदद करें और उन्हें प्रोत्साहित करें।
5. हर दूसरी कतार को पीछे घूमने को कहें ताकि उनके चेहरे उनके पीछे वाली कतार के सामने हों। एक दूसरे के सामने बैठी जोड़ियों को चार का समूह बनाने को कहें। सुनिश्चित करें कि शेष अतिरिक्त विद्यार्थी किसी न किसी समूह में शामिल किए जाएं।
6. विद्यार्थियों को बताएं कि प्रत्येक समूह की एक जोड़ी को पत्रकार की भूमिका करनी होगी जबकि दूसरी जोड़ी साक्षात्कार देगी। उनसे कहें कि पहला साक्षात्कार पूरा होने पर वे भूमिकाओं की अदला-बदली कर लें। पत्रकारों को साक्षात्कार के नोट्स बनाने चाहिए।
7. जाँच करें कि हर एक ने समझ लिया है कि उसकी क्या भूमिका है और उसे क्या करना है। साक्षात्कारों के लिए दस मिनट की समय सीमा दें।
8. जब समूह साक्षात्कारों का संचालन करें तब कमरे में घूमें और सुनें तथा आवश्यक हो तो सहायता करें।
9. करीब दस मिनट बाद, गतिविधि को कोई क्रियात्मक करते हुए शीघ्रता से समाप्त करे (उदाहरण के लिए, दस से शून्य तक उल्टी गिनती करते हुए)।



विचार के लिए रुकें

जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने के कई लाभ हैं। तथापि, उनकी अपनी चुनौतियाँ भी हैं, खास तौर पर तब जब उनका उपयोग बड़ी कक्षाओं में किया जाता है। अपने विद्यार्थियों के साथ इस गतिविधि का प्रयोग करने के बाद, सोचें कि आपकी कक्षा में क्या हुआ:

- क्या आपके विद्यार्थियों ने अपनी घर की भाषा/भाषाओं का उपयोग किया? यदि हाँ, तो आप अंग्रेजी की उस मात्रा को कैसे बढ़ा सकते हैं जिसका उपयोग विद्यार्थी भविष्य की बोलने की गतिविधियों में करेंगे?
- क्या शोर का स्तर स्वीकार्य था? क्या आपके स्कूल के अन्य शिक्षकों ने शोर के स्तरों पर प्रतिक्रिया की? यदि कोई समस्याएं हैं, तो आप उन्हें हल करने के लिए क्या कर सकते हैं?
- क्या आपने विद्यार्थियों की गलतियाँ देखीं? बोलचाल की गतिविधियों में की गई गलतियों से आप कैसे निपट सकते हैं?

गतिविधि 3 में, आप इन प्रश्नों की आगे की खोजबीन करेंगे।

गतिविधि 3: बोलचाल की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने की चुनौतियाँ और संभावित समाधान

बोलचाल की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने की चुनौतियों के बारे में कुछ शिक्षकों की टिप्पणियाँ पढ़ें। उन्हें A, B, C और D से चिह्नित किया गया है:

A: मेरे विद्यार्थी हर समय अंग्रेजी का उपयोग नहीं करते। वे प्रायः अपनी घरेलू भाषा का उपयोग करते हैं।

B: जब मेरे विद्यार्थी जोड़ियों या समूहों में बोलचाल की गतिविधि करते हैं, तो बहुत ज्यादा शोर होता है!

C: मैंने देखा कि मेरे कुछ विद्यार्थी सारी बातचीत करते हैं, और कुछ बिल्कुल भी नहीं बोलते। कुछ को अंग्रेजी के शब्द व वाक्यांश बताने के बाद भी अंग्रेजी बोलने में कठिनाई होती है।

D: मैं सहमत हूँ कि विद्यार्थियों द्वारा जोड़ियों और समूहों में बोलने का अभ्यास करना अच्छा विचार है, लेकिन मेरे विद्यार्थी इतने अच्छे नहीं हैं। वे हमेशा बहुत सारी गलतियाँ करते हैं।

अब कुछ अन्य शिक्षकों के कुछ सुझाव पढ़ें। तय करें कि कौन सा सुझाव किस चुनौती के साथ जाता है, और उसके बगल में संबद्ध अक्षर लिखें। उदाहरण के लिए, पहली सलाह उन शिक्षकों की मदद करती है जो शोर के बारे में चिंतित हैं (B)। जब आप तैयार हों, तो संसाधन 3 में अपने उत्तरों की जाँच करें।

तालिका 1 बोलचाल की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूहकार्य के उपयोग करने की चुनौतियों के लिए संभावित समाधान।

आपके विद्यार्थियों को बताना कि वे कितनी तेज आवाज में बात कर सकते हैं, यह आप पर निर्भर करता है। कमरे में घूमें और सभी समूहों और जोड़ियों पर नज़र रखें ताकि यदि कुछ विद्यार्थी शोर मचा रहे हैं या गतिविधि नहीं कर रहे हैं तो आप उन्हें तत्काल रोक सकें।	B
सुनिश्चित करें कि आप उन विद्यार्थियों की सहायता करें जिन्हें कठिनाई हो रही है। उन्हें शब्दों या वाक्यांशों के साथ अधिक मदद, या जो वे कहने जा रहे हैं उसकी योजना बनाने के लिए अधिक समय की जरूरत हो सकती है।	
विद्यार्थी अन्य विद्यार्थियों के साथ योजना बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें। अपने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करें ताकि वे प्रेरित और सीखने के लिए उत्सुक बने रहें।	
स्कूल में अन्य शिक्षकों और अपने मुख्याध्यापक से बात करें ताकि उन्हें पता हो कि कक्षा में क्यों शोर हो रहा है। सुनिश्चित करें कि वे समझें कि शोर अनुशासन की कमी का नहीं बल्कि सीखने की सक्रिय प्रक्रिया का परिणाम है।	
गलतियों की बहुत ज्यादा चिंता न करें। आप नोट्स बना सकते हैं और गतिविधि के बाद संपूर्ण कक्षा के साथ सामान्य समस्याओं की समीक्षा कर सकते हैं।	
यदि शोर एक समस्या है तो समय सीमाओं पर सहमत हों या यदि संभव हो तो गतिविधि करने के लिए बाहर चले जाएँ।	
गलतियों के बारे में सकारात्मक बनें। याद रखें कि विद्यार्थियों के अभ्यास करने के लिए कक्षा एक सुरक्षित स्थान होनी चाहिए – वे अपनी गलतियों से सीखते हैं और 'वास्तविक जीवन' में कक्षा के बाहर भाषा का उपयोग करने से पहले वे उसका पूर्वाभ्यास करते हैं।	
जब आप कक्षा में घूमते हैं, तब विद्यार्थियों के अपनी घरेलू भाषा का उपयोग करने पर नोट्स बनाएं, और गतिविधि के अंत में, आप उन्हें उनकी आवश्यकता के अनुरूप उन्हें अंग्रेजी पढ़ा सकते हैं। विद्यार्थियों को वे शब्द नोट करने, और जब भी समय मिले, उन शब्दों की खोज करने के लिए शब्दकोश का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें जिन्हें वे नहीं जानते हैं।	
याद रखें कि विद्यार्थियों को अपनी घर की भाषा का उपयोग करना या भाषाओं को मिश्रित करना स्वाभाविक होता है। उन्हें जितनी संभव हो उतनी अंग्रेजी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें, लेकिन यह भी समझें कि कभी-कभी विद्यार्थियों के पास वह व्यक्त करने के लिए अंग्रेजी में भाषा के कौशल नहीं होते हैं जो वे कहना चाहते हैं, और याद रखें कि थोड़ी सी भी अंग्रेजी बिल्कुल नहीं से तो बेहतर होती है।	

3 विद्यार्थियों को चर्चाओं में स्वतंत्र रूप से बोलने की ओर ले जाना

जब विद्यार्थी अंग्रेजी में बोलने में अधिक आश्वस्त हो जायं, तब वे 'चर्चाओं' जैसी गतिविधियाँ कर सकते हैं। इनसे आपके विद्यार्थियों को विचारों को साझा करने और सुनने के अवसर मिलेंगे। वे आपके विद्यार्थियों को अधिक स्वतंत्रता से बोलने और स्वयं को अपने शब्दों में व्यक्त करने का अवसर भी देते हैं।

आप किसी भी कक्षा या स्तर के साथ चर्चा की गतिविधियाँ कर सकते हैं। तथापि, नोट करें कि आपको उन विषयों का चुनाव करना चाहिए जो आपके विद्यार्थियों के स्तर और उम्र के लिए उपयुक्त हों, और उन विद्यार्थियों को भाषा का अधिक समर्थन दें जिनकी अंग्रेजी अधिक कमज़ोर है। यहाँ कुछ तरीके प्रस्तुत हैं जिनसे आप अंग्रेजी में चर्चा में भाग लेने के लिए अपने विद्यार्थियों की सहायता कर सकते हैं:

- अपने विद्यार्थियों को बात करने के लिए कोई रुचिकर विषय दें। यह आवश्यक नहीं है कि चर्चा का विषय गंभीर ही हो। यदि आप विद्यार्थियों को विषय का चुनाव करने देते हैं, तो उन्हें उसके बारे में बात करना अधिक आसान लग सकता है और वे संभवतः अधिक प्रेरित होंगे।
- विद्यार्थियों को कुछ समय दें ताकि वे जो कुछ कहना चाहते हैं, उससे संबंधित शब्दों या वाक्यांशों की तैयारी कर सकें। (देखें इकाई 'अंग्रेजी बोलने में अपने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का निर्माण करना')।
- छोटे समूहों का उपयोग करें जहाँ विद्यार्थी एक दूसरे को सहारा दे सकते हैं। समूहों के भीतर, सभी विद्यार्थियों को योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करें, लेकिन विद्यार्थियों से हर चर्चा में समान रूप से योगदान करने की अपेक्षा न करें।

- चर्चा को संक्षिप्त रखें, और विद्यार्थियों से अधिक देर तक बोलने की अपेक्षा न करें। जब विद्यार्थी गतिविधि कर रहे हों तब कक्षा में घूमें और उन्हें सुनें। यदि आप देखते हैं कि अधिकतर विद्यार्थियों ने काम पूरा कर लिया है, तो गतिविधि समाप्त कर दें। विद्यार्थियों के पूरा खत्म करने से पहले गतिविधि को खत्म करना हमेशा उसे बहुत देर तक घसीटते रहने से बेहतर होता है। यदि गतिविधि बहुत देर तक चलती है, तो विद्यार्थी ऊब जाते हैं और उनका ध्यान विचलित हो जाता है।
- यदि विद्यार्थियों को पता हो कि वे अपने विचारों के साथ बाद में कुछ करने वाले हैं, उदाहरण के लिए रिपोर्ट या प्रस्तुतिकरण देना, तो इससे विद्यार्थियों को चर्चा पर ध्यान केन्द्रित करने और ध्यान देने में मदद मिल सकती है। इसलिए आप चाहें तो चर्चा की गतिविधि के बाद लेखन गतिविधि करके अपनी गतिविधियों में परिवर्तन कर सकते हैं।

केस स्टडी 3: सुश्री अरुणा चर्चाओं को छोटे समूहों में निर्देशित करती हैं

सुश्री अरुणा माध्यमिक स्कूल में अंग्रेजी पढ़ाती हैं। वे बताती हैं कि उन्होंने अपने विद्यार्थियों से विषय का चुनाव करवाकर अंग्रेजी में होने वाली एक चर्चा में उन्हें संलग्न करने का प्रयास कैसे किया।

मैं कक्षा 10 को पढ़ाती हूँ और पाठ्यपुस्तक में प्रायः चर्चाओं के लिए सुझाव होते हैं। मेरे विद्यार्थियों को चर्चाएं बहुत कठिन लगती थीं। मैं उनसे एक प्रश्न पूछती थी और फिर उनसे यह बताने को कहती थी कि वे क्या सोचते हैं। एक या दो विद्यार्थी उठकर खड़े होते थे और कुछ विचार देकर बैठ जाते थे। ईमानदारी से कहूँ, तो वही कुछ विद्यार्थी ही हमेशा बोलते थे, अन्य विद्यार्थी कोई विचार व्यक्त नहीं करते थे।

अंत में, मैं विद्यार्थियों के कहने के लिए बोर्ड पर कुछ वाक्य लिखती थी, जैसे 'I think it is right to kill animals to save a human being', या 'In my opinion, it is not right to kill animals to save a human being'। लेकिन मैं जानती थी कि वे बस मेरे वाक्यों को ऊँची आवाज़ में पढ़ रहे हैं, और अपनी असली राय तक नहीं दे रहे हैं। इस तरीके से उनके बोलने के कौशलों में कोई वास्तविक विकास नहीं हो रहा था।

मैंने एक नया तरीका आजमाने का निश्चय किया। मैंने अपने विद्यार्थियों से ऐसे कुछ विषयों के लिए पूछा जिन पर वे चर्चा करना पसंद करते हों। हमने बोर्ड पर एक सूची लिखी और हमने एक को चुना: 'Which is the best TV serial on today? Why is it the best? Is it good – or bad – for young people to watch TV serials?'

मैंने ब्लैकबोर्ड पर कुछ वाक्यांश लिखे जिनका उपयोग विद्यार्थी किसी विचार को व्यक्त करने के लिए और एक दूसरे के साथ सहमत या असहमत होने के लिए कर सकते थे:

I think that ...

In my opinion ...

I believe ...

It seems to me that ...

I agree with you.

I'm afraid I agree with ...

You have a point but ...

I couldn't agree with you.

फिर मैंने विद्यार्थियों को जो कुछ वे कहना चाहते थे उसके नोट्स बनाने के लिए दो या तीन मिनट दिए। मैंने उन्हें केवल नोट्स लिखने के लिए और पाठ न लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। फिर मैंने उन्हें कुछ आगे के निर्देश दिए:



Please make groups
of five people.
Quickly!

Now choose someone to be secretary.
Who is the secretary? Please raise your
hands. I want to see a secretary for
each group.

Now you have five minutes to discuss.
Secretaries, you must make notes about
the discussion. You will tell the class later
what your group thinks. You can start now.

जब विद्यार्थी चर्चा कर रहे थे, तब मैं कमरे में घूम रही थी और चर्चाएं सुन रही थी। मैं न तो उसमें शामिल हुई और न ही मैंने उनकी गलतियाँ सुधारी। चर्चाएं बहुत मनोरंजक थीं! मैंने दो समूहों को सुना और व्याकरण और उच्चारण की गलतियों के बारे में कुछ नोट्स बनाए।

पाँच मिनट बाद मैंने चर्चा रोक दी और कुछ समूहों के सेक्रेटरी से चर्चा की एक संक्षिप्त रिपोर्ट सारी कक्षा को देने के लिए कहा। आम तौर पर जब अन्य लोग पढ़ते या बोलते हैं तब विद्यार्थी अधिक नहीं सुनते हैं, लेकिन इस बार उन सभी को यह देखने में रुचि थी कि उनके पसंदीदा टीवी सीरियल के बारे में हर एक का क्या विचार था!

कक्षा के अंत में, मैंने व्याकरण और उच्चारण की गलतियों की समीक्षा की। मैंने वे शब्द बोर्ड पर लिखे जिनका उच्चारण विद्यार्थियों ने गलत ढंग से किया था, और फिर उन शब्दों को मेरे बोलने के बाद दोहराने को कहा। फिर मैंने बोर्ड पर ऐसे कुछ वाक्य लिखे जहां विद्यार्थियों ने गलतियाँ की थीं और उनसे गलतियों को खोजने और सही वाक्यों को अपनी नोटबुकों में लिखने को कहा।

विद्यार्थियों को कक्षा में मजा आया, और उन्होंने इस तरीके का उपयोग करके बहुत अधिक बातचीत की। अगली बार, मैंने चर्चा के बाद एक लेखन गतिविधि करने की योजना बनाई है ताकि विद्यार्थियों को विषय के बारे में अपने विचारों को विकसित करने के लिए अधिक समय मिल सके।

गतिविधि 4: कक्षा में आजमाएं – सामूहिक चर्चाओं में भाग लेने में विद्यार्थियों की सहायता करना

अपने विद्यार्थियों के साथ सामूहिक चर्चाएं करने के लिए इन चरणों का अनुसरण करें:

1. अपने विद्यार्थियों से किसी विषय के बारे में चर्चा करने के लिए विचार साझा करने को कहें। विचारों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें और विद्यार्थियों से (उदाहरण के तौर पर वोट करने के लिए अपने हाथ उठाकर) विषय चुनने को कहें।
2. ब्लैकबोर्ड पर, यदि आवश्यक हो तो शब्दावली सहित, कुछ उपयोगी वाक्यांश लिखें। विषय के बारे में नोट्स बनाने के लिए अपने विद्यार्थियों को कुछ मिनट दें। इससे उन्हें वह तैयार करने के लिए समय मिलता है जो वे कहना चाहते हैं और जिन शब्दों की उन्हें जरूरत होती है। कमरे में घूमें और जिन्हें जरूरत हो उन विद्यार्थियों की मदद करें।
3. अपने विद्यार्थियों को चार या पाँच के छोटे समूहों में संगठित करें। प्रत्येक समूह से एक सेक्रेटरी चुनने को कहें जो चर्चा के दौरान नोट्स बनाएगा।
4. अपने विद्यार्थियों से विषय पर चर्चा करने को कहें। उन्हें सीमित समय दें।
5. जब विद्यार्थी चर्चा करें, तब आपसे जितने हो सकें उतने समूहों की बातें सुनें। यदि आप चाहें तो उनके अंग्रेजी के उपयोग के बारे में नोट्स बना सकते हैं। विद्यार्थियों को टोकने या सही करने का प्रयास न करें – आप उनकी गलतियों को बाद में सुधार सकते हैं।
6. जब समय खत्म हो जाए, तो विद्यार्थियों से रुकने के कहें।
7. प्रत्येक समूह के सेक्रेटरी से चर्चा के बारे में रिपोर्ट देने के कहें।
8. विद्यार्थियों को रिपोर्टों के बारे में कुछ फीडबैक दें। जो कुछ विद्यार्थियों ने कहा है उसका जवाब दें, और सकारात्मक रहना याद रखें। आप गतिविधि के अंत में हुई गलतियों से किसी अन्य कक्षा में निपट सकते हैं।



विचार के लिए रुकें

इस गतिविधि का प्रयोग करने के बाद आपके विचार करने के लिए यहां कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- अपने खुद के शब्दों का उपयोग करते हुए विषय के बारे में बात करने में आपके विद्यार्थी किस हद तक सक्षम थे?
- क्या विद्यार्थियों को पर्याप्त समर्थन मिला? यदि नहीं, तो भविष्य में आप उन्हें अधिक समर्थन कैसे दे सकते हैं?

याद रखें कि किसी अन्य भाषा में बोलना कई विद्यार्थियों के लिए कठिन होता है। प्रोत्साहक बनें और सकारात्मक प्रतिक्रिया दें। कुछ विद्यार्थियों को दूसरों से अधिक सहायता की जरूरत होती है। आप इन विद्यार्थियों को अधिक शब्द और वाक्यांश, योजना बनाने और तैयारी करने के लिए अधिक समय दे सकते हैं, या उन्हें उन सहपाठियों के साथ रख सकते हैं जो उनकी मदद कर सकते हैं।

4 सारांश

अंग्रेजी में बोलने में सक्षम होना एक कौशल है जो कई विद्यार्थियों के लिए स्कूल के बाहर उनके निजी और व्यावसायिक जीवन में उपयोगी होगा। इस कौशल को विकसित करने के लिए, विद्यार्थियों को अंग्रेजी में बोलने के बहुत सारे अभ्यास की जरूरत पड़ेगी। आप ऐसा करने में अपने विद्यार्थियों को जितने संभव हो उतने अवसर प्रदान करके यह काम कर सकते हैं। ऐसा करने का एक तरीका है विद्यार्थियों को जोड़ियों या छोटे समूहों में अंग्रेजी बोलने के लिए प्रेरित करना। इसका मतलब है सभी विद्यार्थियों को अंग्रेजी कक्षा में किसी बिंदु पर बोलने का अवसर मिलता है।

आपको विद्यार्थियों को साक्षात्कारों और चर्चाओं जैसी विविध प्रकार की बोलने की गतिविधियाँ देने की भी जरूरत है। शुरु में, विद्यार्थियों को बहुत सारी सहायता की जरूरत पड़ सकती है और उन्हें भाषा उपलब्ध कराने की आवश्यकता हो सकती है (जैसे दोहराना और जोड़ी में श्रुतलेख)। समय के बीतने के साथ, विद्यार्थी कम समर्थन वाली गतिविधियों में जा सकते हैं (जैसे रोल-प्ले साक्षात्कार और चर्चाएं)। इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों की उन कौशलों को विकसित करने में मदद करेंगी जिनकी उन्हें अंग्रेजी में वास्तविक जीवन के वार्तालापों में भाग लेने के लिए जरूरत होती है।

बोलने की गतिविधियों के लिए अधिक विचारों के लिए, संसाधन 4 और अतिरिक्त संसाधन देखें; अपने स्वयं के बोलने के कौशल विकसित करने के तरीकों के बारे में विचारों के लिए, देखें संसाधन 5।

इस विषय पर अन्य माध्यमिक अंग्रेजी शिक्षक विकास इकाइयाँ ये हैं:

- 'अपनी कक्षा में अधिक अंग्रेजी का उपयोग करना'
- 'अपने विद्यार्थियों में अंग्रेजी बोलने के आत्मविश्वास का निर्माण करना'

संसाधन

संसाधन 1: सभी को शामिल करना

‘सबको शामिल करें’ का क्या अर्थ है?

संस्कृति और समाज में विविधता कक्षा में प्रतिबिंबित होती है। विद्यार्थियों की भाषाएं, रुचियाँ और योग्यताएं अलग-अलग होती हैं। विद्यार्थी विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। हम इन भिन्नताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते; वास्तव में, हमें उनका स्वागत करना चाहिए, क्योंकि वे एक दूसरे और हमारे अपने अनुभव से परे दुनिया के बारे में अधिक जानने का जरिया बन सकते हैं। सभी विद्यार्थियों को शिक्षा पाने और सीखने का अधिकार है चाहे उनकी स्थिति, योग्यता और पृष्ठभूमि कुछ भी हो, और इसे भारतीय कानून और अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकारों में मान्यता दी गई है। 2014 में राष्ट्र को अपने पहले संदेश में, प्रधानमंत्री मोदीजी ने जाति, लिंग या आय पर ध्यान दिए बिना भारत के सभी नागरिकों का सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया। इस संबंध में स्कूलों और शिक्षकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

हम सभी के दूसरों के बारे में पूर्वाग्रह और दृष्टिकोण होते हैं जिन्हें हो सकता है हमने पहचाना न हो या संबोधित किया न हो। एक अध्यापक के रूप में, आप में हर विद्यार्थी की शिक्षा के अनुभव को सकारात्मक या नकारात्मक ढंग से प्रभावित करने की शक्ति है। चाहे जानबूझ कर या अनजाने में, आपके अंतर्निहित पूर्वाग्रह और दृष्टिकोण इस बात को प्रभावित करेंगे कि आपके विद्यार्थी कितने समान रूप से सीखते हैं। आप अपने विद्यार्थियों के साथ असमान बर्ताव से बचने के लिए कदम उठा सकते हैं।

शिक्षा में सबको शामिल करना सुनिश्चित करने के तीन मुख्य सिद्धांत

- **देखना:** प्रभावी शिक्षक चौकस, सूक्ष्म दृष्टि वाले और संवेदी होते हैं; वे अपने विद्यार्थियों के परिवर्तनों को देखते हैं। यदि आप ध्यानपूर्वक देख रहे हैं, तो आप देखेंगे कि किसी विद्यार्थी ने कब कोई चीज अच्छी तरह से की है, उसे कब मदद की जरूरत है और वह कैसे दूसरों से संबद्ध होता है। आप अपने विद्यार्थियों के परिवर्तनों को भी समझ सकते हैं, जो उनके घर की परिस्थितियों या अन्य समस्याओं में परिवर्तनों को प्रतिबिंबित कर सकते हैं। सबको शामिल करने के लिए आवश्यक है कि आप अपने विद्यार्थियों से प्रतिदिन मिलें, और उन विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दें जो स्वयं को हाशिये पर महसूस कर सकते हैं या भाग लेने में अक्षम होते हैं।
- **आत्म-सम्मान पर संकेन्द्रण:** अच्छे नागरिक वे होते हैं जो स्वयं के संबंध में सहज रहते हैं। उनमें आत्म-सम्मान होता है, वे अपनी ताकतों और कमजोरियों को जानते हैं, और उनमें पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना अन्य लोगों के साथ सकारात्मक संबंध बनाने की क्षमता होती है। वे स्वयं का सम्मान करते हैं और दूसरों का सम्मान करते हैं। एक अध्यापक के रूप में, आप किसी युवा व्यक्ति के आत्म-सम्मान पर उल्लेखनीय प्रभाव डाल सकते हैं; उस शक्ति को जानें और उसका उपयोग हर विद्यार्थी के आत्म-सम्मान को बढ़ाने के लिए करें।
- **लचीलापन:** यदि आपकी कक्षा में कोई चीज विशिष्ट विद्यार्थियों, समूहों या व्यक्तियों के लिए उपयोगी नहीं है, तो अपनी योजनाओं को बदलने या गतिविधि को रोकने के लिए तैयार रहें। लचीला होना आपको समायोजन करने में सक्षम करेगा ताकि आप सभी विद्यार्थियों को अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करें।

वे दृष्टिकोण जिनका उपयोग आप हर समय कर सकते हैं

- **अच्छे व्यवहार का अनुकरण बनना:** जातीय समूह, धर्म या लिंग की परवाह किए बिना, अपने विद्यार्थियों के साथ अच्छा बर्ताव करके उनके लिए एक उदाहरण बनें। सभी विद्यार्थियों से सम्मान के साथ व्यवहार करें और अपने शिक्षण के माध्यम से स्पष्ट कर दें कि आपके लिए सभी विद्यार्थी बराबर हैं। उन सबके साथ सम्मान के साथ बात करें, जहाँ उपयुक्त हो उनकी राय को ध्यान में रखें और उन्हें हर एक को लाभ पहुँचाने वाले काम करके कक्षा की जिम्मेदारी लेने को प्रोत्साहित करें।
- **ऊँची अपेक्षाएं:** योग्यता स्थिर नहीं होती है; यदि समुचित समर्थन मिले तो सभी विद्यार्थी सीख और प्रगति कर सकते हैं। यदि किसी विद्यार्थी को उस काम को समझने में कठिनाई होती है जो आप कक्षा में कर रहे हैं, तो यह न समझें कि वह कभी भी समझ नहीं सकेगा। अध्यापक के रूप में आपकी भूमिका यह सोचना है कि हर विद्यार्थी के सीखने में किस सर्वोत्तम ढंग से मदद करें। यदि आपको अपनी कक्षा में हर एक से उच्च अपेक्षाएं हैं, तो आपके विद्यार्थियों के यह समझने की अधिक संभावना है कि यदि वे लगे रहे तो वे सीख जाएंगे। उच्च अपेक्षाएं बर्ताव पर भी लागू होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और कि विद्यार्थी एक दूसरे के साथ सम्मान के साथ व्यवहार करेंगे।
- **अपने शिक्षण में विविधता लाएं:** विद्यार्थी विभिन्न तरीकों से सीखते हैं। कुछ विद्यार्थी लिखना पसंद करते हैं; अन्य अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए मस्तिष्क में मानचित्र या चित्र बनाना पसंद करते हैं। कुछ विद्यार्थी अच्छे श्रोता होते हैं; कुछ सबसे अच्छा तब सीखते हैं जब उन्हें अपने विचारों के बारे में बात करने का अवसर मिलता है। आप हर समय सभी विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते, लेकिन आप अपने शिक्षण में विविधता ला सकते हैं और विद्यार्थियों को उनके द्वारा की जाने वाली सीखने की कुछ गतिविधियों के विषय में किसी विकल्प की पेशकश कर सकते हैं।
- **शिक्षा को दैनिक जीवन से जोड़ें:** कुछ विद्यार्थियों के लिए, आप उन्हें जो कुछ सीखने को कहते हैं, वह उनके दैनिक के जीवन के प्रति अप्रासंगिक लगता है। आप इसे यह सुनिश्चित करके संबोधित कर सकते हैं कि जब भी संभव हो, आप शिक्षण-प्रक्रिया को उनके लिए प्रासंगिक परिवेश से संबंधित करें और उनके अपने अनुभवों से उदाहरण लें।
- **भाषा का उपयोग:** जिस भाषा का आप उपयोग करते हैं उसके बारे में सावधानी से सोचें। सकारात्मक भाषा और प्रशंसा का उपयोग करें, और विद्यार्थियों का तिरस्कार न करें। हमेशा उनके बर्ताव पर टिप्पणी करें और उन पर नहीं। 'आप आज मुझे कष्ट दे रहे हैं' बहुत निजी लगता है और इसे इस तरह बेहतर ढंग से व्यक्त किया जा सकता है, 'आज आपके व्यवहार से मुझे बहुत कष्ट हुआ। क्या आपको किसी कारण से ध्यान देने में कठिनाई हो रही है?' जो काफी अधिक मददगार है।
- **रूढ़िवादिता को चुनौती दें:** ऐसे संसाधनों की खोज और उपयोग करें जो लड़कियों को गैर-रूढ़िवादी भूमिकाओं में दर्शाते हैं या अनुकरणीय महिलाओं, जैसे वैज्ञानिकों को स्कूल में आमंत्रित करें। अपनी स्वयं की लैंगिक रूढ़िवादिता के प्रति सजग रहें; हो सकता है आप जानते हैं कि लड़कियाँ खेल खेलती हैं और लड़के ख्याल रखते हैं, लेकिन हम अक्सर इसे भिन्न तरीके से व्यक्त करते हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि हम समाज में इस तरह से बात करने के आदी होते हैं।
- **एक सुरक्षित, स्वागत करने वाले अधिगम वातावरण का सृजन करें:** यह जरूरी है कि सभी विद्यार्थी स्कूल में सुरक्षित और वाँछित महसूस करें। हर एक से परस्पर सम्मानपूर्ण और मित्रवत बर्ताव को प्रोत्साहित करके आप अपने विद्यार्थी को वाँछित महसूस कराने की स्थिति में होते हैं। इस बारे में सोचें कि स्कूल और कक्षा अलग अलग विद्यार्थियों को कैसी दिखाई देगी और महसूस होगी। इस विषय में सोचें कि उनसे कहाँ बैठने को कहा जाएगा और सुनिश्चित करें कि दृष्टि या सुनने संबंधी दुर्बलताओं या शारीरिक विकलांगताओं वाले विद्यार्थी ऐसी जगह बैठें जहाँ से पाठ उनके लिए सुलभ होता हो। निश्चित करें कि जो विद्यार्थी शर्मिले हैं या आसानी से विचलित हो जाते हैं वे ऐसे स्थान पर हों जहाँ आप उन्हें आसानी से शामिल कर सकते हैं।

विशिष्ट अध्यापन दृष्टिकोण

ऐसे कई विशिष्ट दृष्टिकोण हैं जो सभी विद्यार्थियों को शामिल करने में आपकी सहायता करेंगे। इनका अन्य प्रमुख संसाधनों में अधिक विस्तार से वर्णन किया गया है, लेकिन एक संक्षिप्त परिचय यहाँ प्रस्तुत है:

- **प्रश्न पूछना:** यदि आप विद्यार्थियों को अपने हाथ उठाने को आमंत्रित करते हैं, तो हर बार कुछ ही विद्यार्थी उत्तर देने का प्रयत्न करते हैं। अधिक विद्यार्थियों को उत्तरों के बारे में सोचने और प्रश्नों का जवाब देने में शामिल करने के अन्य तरीके हैं। आप प्रश्नों को विशिष्ट लोगों की ओर निर्देशित कर सकते हैं। कक्षा को बताएं कि आप तय करेंगे कि कौन उत्तर देगा, फिर सामने बैठे लोगों की बजाय कमरे के पीछे और किनारे में बैठे लोगों से पूछें। विद्यार्थियों को 'सोचने का समय' दें और विशिष्ट लोगों से योगदान आमंत्रित करें। आत्मविश्वास का निर्माण करने के लिए जोड़ी या समूहकार्य का उपयोग करें ताकि आप समग्र-कक्षा चर्चाओं में हर एक को शामिल कर सकें।
- **आकलन:** रचनात्मक आकलन के लिए ऐसी तकनीकों की श्रृंखला का विकास करें जो हर विद्यार्थी को अच्छी तरह से जानने में आपकी मदद करेंगी। छिपी हुई प्रतिभाओं और कमियों को उजागर करने के लिए आपको सृजनात्मक होना पड़ेगा। रचनात्मक आकलन उन अनुमानों की तुलना में अधिक सटीक जानकारी देगा जो कुछ विद्यार्थियों और उनकी योग्यताओं के बारे में सामान्य दृष्टिकोण से आसानी से बनाया जा सकता है। तब आप उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के प्रति अनुक्रिया करने के लिए अच्छी स्थिति में होंगे।
- **समूहकार्य और जोड़ी में कार्य:** सभी को शामिल करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सावधानी से अपनी कक्षा को समूहों में बाँटने या जोड़ियाँ बनाने के तरीकों के बारे में सोचें और विद्यार्थियों को एक दूसरे को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित करें। सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने और वे जो जानते हैं उसमें आत्मविश्वास का निर्माण करने का अवसर मिले। कुछ विद्यार्थियों में छोटे समूह में अपने विचारों को व्यक्त करने और प्रश्न पूछने का आत्मविश्वास होता है, लेकिन संपूर्ण कक्षा के सम्मुख नहीं।
- **विभेदन:** अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग कार्य तय करने से विद्यार्थियों को जहाँ वे हैं वहाँ से शुरू करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। खुले-सिरे वाले कामों को तय करने से सभी विद्यार्थियों को सफल होने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों को कार्य का विकल्प प्रदान करने से उन्हें अपने काम के स्वामित्व को महसूस करने और अपनी स्वयं की अधिगम-प्रक्रिया का दायित्व लेने में सहायता मिलेगी। व्यक्तिगत शिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान में रखना, विशेष रूप से बड़ी कक्षा में, कठिन होता है, लेकिन विविध प्रकार के कामों और गतिविधियों का उपयोग करके ऐसा किया जा सकता है।

संसाधन 2: रोल-प्ले के लिए संसाधन

यह नाटिका एक रेस्टोरेंट के दृश्य पर आधारित है। नाटिका के लिए आप ब्लैकबोर्ड पर मेन्यू लिख सकते हैं या अपने विद्यार्थियों से अपने खुद के मेन्यू बनाने को कह सकते हैं।

यहाँ एक छोटे रेस्टोरेंट का मेन्यू प्रस्तुत है:

एवरेडी रेस्टोरेंट	
रोल्स	
चिकन रोल	रु. 40
एग रोल	रु. 30
वेजीटेरियन रोल	रु. 20

युवा लोगों का एक समूह रेस्टोरेंट में प्रवेश करता है और मेन्यू देखता है। उन्हें दिए गए मेन्यू में से दो रोल चुनने हैं। उनके पास कुछ शर्तें हैं: उनमें से दो लोग शाकाहारी हैं, और अन्य लोग मांसाहारी रोल खाना पसंद करते हैं। उनमें से दो के पास प्रति व्यक्ति 50 रु. हैं और अन्य तीन में से प्रत्येक के पास 30 रु. हैं। चार के समूहों में भूमिकाएं लें और आप निम्नलिखित या स्वयं अपने शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग कर सकते हैं:

- 'I prefer ... to ...'
- 'I am a ...'
- 'I don't like ...'
- 'I like ...'
- 'We also ... juice.'
- 'No. That's not a good idea.'
- 'Let me suggest ...'

संसाधन 3: बोलने की गतिविधियों के लिए जोड़ी और समूहकार्य का उपयोग करने की कुछ चुनौतियों से निपटना

तालिका R3.1 बोलनेकी गतिविधियोंके लिए जोड़ी और समूहकार्यका उपयोग करनेकी कुछ चुनौतियोंके लिए संभावित समाधान— पूरा किया गया संस्करण।

आपके विद्यार्थियों को बताना कि वे कितनी तेज आवाज में बोल सकते हैं आप पर निर्भर करता है। कमरे में घूमें और सभी समूहों और जोड़ियों पर नज़र रखें ताकि यदि कुछ विद्यार्थी शोर मचा रहे हैं या गतिविधि नहीं कर रहे हैं तो आप उन्हें तत्काल रोक सकें।	B
सुनिश्चित करें कि आप उन विद्यार्थियों की सहायता करें जिन्हें कठिनाई हो रही है। उन्हें शब्दों या वाक्यांशों के साथ अधिक मदद, या जो वे कहने जा रहे हैं उसकी योजना बनाने के लिए अधिक समय की जरूरत हो सकती है।	C
विद्यार्थी अन्य विद्यार्थियों के साथ योजना बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें। अपने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करें ताकि वे प्रेरित और सीखने के लिए उत्सुक बने रहें।	C
स्कूल में अन्य शिक्षकों और अपने मुख्याध्यापक से बात करें ताकि उन्हें पता हो कि कक्षा में क्यों शोर हो रहा है। सुनिश्चित करें कि वे समझें कि शोर अनुशासन की कमी का नहीं बल्कि सीखने की सक्रिय प्रक्रिया का परिणाम है।	B
गलतियों की बहुत ज्यादा चिंता न करें। आप नोट्स बना सकते हैं और गतिविधि के बाद समूची कक्षा के साथ आम समस्याओं की समीक्षा कर सकते हैं।	D
यदि शोर एक समस्या है, तो समय सीमाओं पर सहमत हों, या — यदि संभव हो — तो गतिविधि करने के लिए बाहर चले जाएँ।	B
गलतियों के बारे में सकारात्मक बनें। याद रखें कि विद्यार्थियों के अभ्यास करने के लिए कक्षा एक सुरक्षित जगह होती है — वे अपनी गलतियों से सीख सकते हैं और भाषा का कक्षा से बाहर प्वास्तविक जीवन में उपयोग करने से पहले उसका पूर्वाभ्यास कर सकते हैं।	D
जब आप कक्षा में घूमते हैं, तब विद्यार्थियों के अपनी घर की भाषा का उपयोग करने पर नोट्स बनाएं, और गतिविधि के अंत में, आप उन्हें उनके लिए आवश्यक अंग्रेजी पढ़ा सकते हैं। विद्यार्थियों को वे शब्द नोट करने, और अपने खुद के समय में उन शब्दों की खोज करने के लिए शब्दकोश का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें जिन्हें वे नहीं जानते हैं।	A
याद रखें कि विद्यार्थियों का अपनी घरेलू भाषा का उपयोग करना या भाषाओं को मिश्रित करना स्वाभाविक होता है। उन्हें जितनी अधिक हो सके उतनी अंग्रेजी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें, लेकिन यह भी समझें कि ऐसे समय होते हैं जब विद्यार्थियों के पास वह व्यक्त करने के लिए अंग्रेजी में वह भाषा नहीं होती जो वे कहना चाहते हैं, और याद रखें कि थोड़ी सी भी अंग्रेजी बिल्कुल ही न होने से तो बेहतर होती है।	A

संसाधन 4: बोलने की गतिविधियाँ

यहाँ पर अंग्रेजी कक्षा के लिए बोलने की गतिविधियों के लिए कुछ Teaching English लिंक्स दिए गए हैं:

- Speaking activities: <http://www.teachingenglish.org.uk/activities/speaking-activities>
- Fluency activities for higher levels: <http://www.teachingenglish.org.uk/language-assistant/teaching-tips/fluency-activities-higher-levels>
- Fluency activities for lower levels: <http://www.teachingenglish.org.uk/language-assistant/teaching-tips/fluency-activities-lower-levels>
- Group discussion skills: <http://www.teachingenglish.org.uk/articles/group-discussion-skills>
- Student presentations: <http://www.teachingenglish.org.uk/articles/student-presentations>
- Role play: <http://www.teachingenglish.org.uk/articles/role-play>

संसाधन 5: स्वयं अपनी अंग्रेजी का विकास करें

यहाँ आपके अपने बोलने के कौशलों को विकसित करने के लिए कुछ सुझाव और लिंक्स दिए गए हैं:

- आपसे जितनी हो सके उतनी अधिक अंग्रेजी सुनें, उदाहरण के लिए रेडियो या इंटरनेट पर।
- यदि संभव हो तो अंग्रेजी में फिल्में या टीवी कार्यक्रम देखें।
- अंग्रेजी पाठों को स्वर पढ़कर स्वयं को सुनाएं। यदि संभव हो तो अपने आप को रिकार्ड करें और उसे सुनें। फिर इसे दोबारा करें!
- आपके सहयोगियों या किसी अंग्रेजी बोलने वाले के साथ बोलने का अभ्यास करें। कदाचित आप एक स्थानीय इंग्लिश क्लब शुरू कर सकते हैं जहाँ आप प्रति सप्ताह एक घंटे के लिए अंग्रेजी में गपशप कर सकते हैं?

Better Speaking वार्तालाप के कौशलों को सुधारने के बारे में बीबीसी की वर्ल्ड सर्विस द्वारा एक सिरीज:

http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/webcast/tae_betterspeaking_archive.shtml

अतिरिक्त संसाधन

यहाँ पर बोलने के कौशलों को विकसित करने और मूल्यांकन करने के बारे में अंग्रेजी के अध्यापकों के लिए लेखों और सुझावों के लिए कुछ लिंक्स उपलब्ध हैं:

- Developing speaking activities: <http://www.nclrc.org/essentials/speaking/developspeak.htm>
- Overcoming classroom problems: <http://www.teachingenglish.org.uk/articles/teaching-speaking-skills-2-overcoming-classroom-problems>
- Evaluating speaking: part 1, <http://www.teachingenglish.org.uk/articles/evaluating-speaking>; part 2, <http://www.teachingenglish.org.uk/articles/evaluating-speaking-part-2>
- For an example of using pair work in a multi-level classroom, see Chitra from Gangotri Public School in Seelampur, East Delhi (example 26): [http://www.stireducation.org/sites/default/files/mi-reports/Micro-innovation%20booklet%20\(Delhi%202012\).pdf](http://www.stireducation.org/sites/default/files/mi-reports/Micro-innovation%20booklet%20(Delhi%202012).pdf)
- 'Speaking for better communication': <http://orelt.col.org/module/2-speaking-better-communication>

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

National Council of Educational Research and Training (2005) *National Curriculum Framework*, National Council of Educational Research and Training. Available from:

<http://www.ncert.nic.in/rightside/links/pdf/framework/english/nf2005.pdf> (accessed 25 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Beehive: Textbook in English for Class IX*, National Council of Educational Research and Training. Available from:

<http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm> (accessed 26 September 2014).

STIR Education (2012) *Final Selection of Micro-innovations for the 2012 First STIR India (Delhi) Cohort* (online), October. Available from: [http://www.stireducation.org/sites/default/files/mi-reports/Micro-innovation%20booklet%20\(Delhi%202012\).pdf](http://www.stireducation.org/sites/default/files/mi-reports/Micro-innovation%20booklet%20(Delhi%202012).pdf) (accessed 26 September 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।